पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 3, पटियाला कैन्ट।

कार्यशाला/प्रशिक्षण

एक स्कूल सोशल इंजीनियरिंग का एक महत्वपूर्ण साधन है और उन छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण मैदान है जो भविष्य में देश की बागडोर संभालेंगे। समाज के इतने बड़े हिस्से को उसके भाग्य पर नहीं छोड़ा जा सकता कि वह पुराने पड़ चुके शिक्षकों के हाथों में पड़े रहे और इसलिए शिक्षकों को मूल्य आधारित उत्पादक नागरिक वर्ग विकसित करने के लिए इस मानव संसाधन को संभालने के लिए उचित रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। प्रत्येक शिक्षक को मूल रूप से एक उत्साही शिक्षार्थी होना चाहिए। अपने शिक्षण के दौरान, शिक्षक शैक्षिक अनुभव प्राप्त करता है, जिसे वह अपनी शैक्षणिक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए विश्लेषण और सामान्यीकरण करता है। स्व-शिक्षा के माध्यम से, एक शिक्षक के रूप में उनका व्यक्तित्व एक प्रभावी और कुशल शिक्षक में बदल जाता है। इस प्रकार शिक्षकों की सेवाकालीन शिक्षा का सार है

(I) उसमें अपेक्षित दक्षताओं का विकास करना और

(II) शिक्षक के प्रतिबद्धता स्तर में सुधार करना ताकि एक शिक्षक के रूप में उसका व्यक्तित्व समृद्ध हो और वह समाज और अकादमिक दुनिया में अपने योगदान को महसूस करने की स्थिति में हो।

2024-25 में आयोजित कार्यशालाओं/पाठ्यक्रमों का डेटा

S.No।	शिक्षक का नाम	पाठ्यक्रम/कार्यशाला में भाग लिया	पाठ्यक्रम/कार्यशाला की अवधि	पाठ्यक्रम/कार्यशाला का स्थान
1	श्री मनोज	सामग्री संवर्धन और क्षमता विकास कार्यक्रम	2 दिन	ZIET चंडीगढ़
2	श्री पंकज	मानकों द्वारा विज्ञान सीखना	2 दिन	थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला
3	श्री एस.के.गुप्ता	सामग्री संवर्धन और क्षमता विकास कार्यक्रम	2 दिन	के.वी .फतेहगढ़ साहिब

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO. 3, PATIALA CANTT.
WORKSHOP/TRAINING

A school is an important instrument of social engineering and a training ground for the students who will hold the reins of the country in future. Such a significant segment of the society cannot be left to its fate to languish in the hands of outdated educators and therefore the teachers must be properly trained to handle this human resource to develop a value based productive citizenry. Every teacher should be basically an ardent learner. In the course of his teaching, the teacher acquires educational experience, which he analyses and generalizes to improve his own pedagogical procedures. Through, self-education his personality as a teacher is transformed into an effective and efficient teacher. The essence of In-service education of teachers is thus to

(III) develop in him the requisite competencies and

(IV) to improve the commitment level of the teacher so that his personality as a teacher is enriched and he is in a position to make his contributions felt in the society and in the academic world.

DATA OF WORKSHOP/COURSES CONDUCTED IN 2024-25

S.No.	Name of the Teacher	Courses/Workshop attended	Duration of the course/workshop	Venue of the course/workshop
1	Mr. Manoj	Content Enrichment and Capacity Development Programme	2 days	ZIET Chandigarh
2	Mr. Pankaj	Learning Science by standards	2	Thapar institute of Engineering and Technology, Patiala
3	Mr. S.K. Gupta	Content Enrichment and Capacity Development Programme	2	KV Fatehgarh Sahib